ECONSPEAK: A Journal of Advances in Management IT & Social Sciences,
Vol. 9, Issue 1, Jan 2019 Impact Factor 7.132 ISSN: (2231-4571)
www.skirec.org Email Id: skirec.org@gmail.com

छात्रो के समायोजन, शैक्षिक व व्यवसायिक आकांक्षा स्तर एवं शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन

देवेन्द्र कुमार भारद्वाज डॉ0 अन्शु शर्मा **PDF ICSSR** डॉ० जगवीर सिंह *भारद्वाज*

कॉलिज ऑफ एजुकेशन शिक्षा विभाग शिक्षा विभाग

बिलासपुर चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

वर्ष 1952–53 में माध्यमिक शिक्षा आयोग तथा 1964–66 में कोठारी आयोग की स्थापना से माध्यमिक शिक्षा के लिए ठोस कार्य की शुरूआत हुई। कोठारी आयोग की सिफारिश के आधार पर देश की पहली राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1968 तैयार की गई। आयोग द्वारा ऐसे बहुउद्देशीय विद्यालयों की स्थापना की संस्तुति भी की गई, जो माध्यमिक स्तर पर प्रौद्योगिकी, कृषि, वाणिज्य, ललितकलाओं और गृह विज्ञान आदि में अधिक से अधिक पाठ्यक्रम उपलब्ध करा सकें। इसके अतिरिक्त सम्पूर्ण देश के लिये राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली विकसित करने पर जोर देते हुए पूरे देश में 10 + 2 + 3 शिक्षा पद्धति की सिफारिश की गयी। वर्ष 1986 में देश में दूसरी शिक्षा नीति घोषित की गई। जिसमें ऐसी शिक्षा व्यवस्था निर्धारित की गई जिसमें प्रत्येक 5 वर्ष के बाद प्रचलित शिक्षा प्रणाली के निर्धारित पाठ्यक्रम, परीक्षा एवं मूल्यांकन के तरीकों शिक्षण विधियों आदि पर विचार–विमर्श कर सुधार किया जाये और आवश्यकतानुरूप इसे नया रूप भी दिया जाये। इसी सुझाव के आधार पर 1992 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति और इसकी कार्ययोजना तथा 1986 की शिक्षा नीति का पुनः परीक्षण भी किया गया। आगे आने वाले वर्षों में भी इसी प्रकार इसे परिमार्जित और परिवर्द्धित करने के लिये इसी तरह के प्रयास किये जाते रहगें, ऐसी सम्भावना भी है।

आधुनिक माध्यमिक शिक्षा की शुरूआत वुड के घोषणापत्र, 1854 के बाद हुई। जब हमारा देश स्वतन्त्र हुआ उस समय (1947 में) हमारे देश में लगभग 12000 माध्यमिक स्कूल चल रहे थे। स्तर से नीचे के स्कूल बन्द करने में इनकी संख्या घटकर लगभग 6000 रह गई। परन्तु साथ–साथ कुछ नए माध्यमिक स्कूल भी खोले गए जिनके परिणामस्वरूप 1951 में इनकी संख्या बढ़कर 7000 से अधिक हो गई। 1951 से हमारे देश में योजनाबद्ध विकास कार्य शुरू हुए। परिणामस्वरूप 50–60 के दशक में लगभग 10,000, 1960–70 के दशक में लगभग 20000, 1970–80 के दशक में लगभग 15000 और 80–90 के दशक में लगभग 28000 (सर्वाधिक) माध्यमिक विद्यालय स्थापित किए गए। 2001 में देश में लगभग 1,26,000 माध्यमिक विद्यालय थे और इनमें लगभग 2.80 करोड़ छात्र–छात्राएँ अध्ययनरत थे। 2007–08 में माध्यमिक स्कूलों की संख्या बढ़कर लगभग 1,73,000 हो गई और इनमें पढ़ने वालों की संख्या बढ़कर लगभग 4.5 करोड़ हो गई। वर्तमान (2011) में माध्यमिक स्कूलों की संख्या लगभग 1.9 लाख होगी और इनमें पढ़ने वाले छात्र–छात्राओं की संख्या लगभग 5 करोड़ होगी। परन्तु चौंकाने वाला तथ्य यह है कि इस समय 14–18 आयु वर्ग के लगभग 7.5 करोड़ बच्चे माध्यमिक शिक्षा से बाहर हैं। यूँ देश की आर्थिक स्थिति को देखते हुए यह प्रसार सन्तोषजनक माना जा सकता है, परन्तु 10+2+3 शिक्षा संरचना के दर्शन की दृष्टि से यह बहुत कम है, इसका अभी और प्रसार करना है और साथ ही इसका स्तर भी उठाना है।

अध्ययन की सार्थकता

सन्दर्भ शोध साहित्य का अध्ययन करने के पश्चात निष्कर्ष रूप में कह सकते हैं, कि अभी तक शैक्षिक आकांक्षा स्तर व व्यवसायिक आकांक्षा स्तर पर जो भी अध्ययन हुए है। वह माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियो पर सामान्य अध्ययन हुए

है तथा समायोजन चर पर दृष्टिबाधित, सामान्य, मूक–बधिर, अनुसूचित जाति एवं जनजाति पर तुलनात्मक अध्ययन हुए है। शैक्षिक उपलब्धि से सम्बन्धित विभिन्न अध्ययन अन्य मनोवैज्ञानिक चरो के संदर्भ में सम्पादित हुए है। जिन्हें सम्बन्धित शोध साहित्य सर्वेक्षण में उल्लेखित किया गया है। लेकिन उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद तथा केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं पर शैक्षिक व व्यवसायिक आकांक्षा, समायोजन तथा शैक्षिक उपलब्धि पर तुलनात्मक अध्ययन नहीं हुए है। इसलिये प्रस्तुत शोध अध्ययन की आवश्यकता महसूस हुई है। उसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए शोधकर्ता ने शोध समस्या को शब्दों में सीमांकित करते हुऐ शोध प्रकरण का प्रतिपादन किया है।

अध्ययन के उद्देश्य

1. उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् एवं केन्द्रीय शिक्षा परिषद् के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों के शैक्षिक आकांक्षा व, व्यवसायिक आकांक्षा स्तर, समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि की वर्तमान स्थिति का अध्ययन करना।
2. उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों के शैक्षिक आकांक्षा स्तर की तुलना करना।
3. उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों के व्यावसायिक आकांक्षा स्तर की तुलना करना।
4. उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों के समायोजन की तुलना करना।
5. उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि की तुलना करना।

शोध **परिकल्पनाये**

1. उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् व केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों के 'शैक्षिक आकांक्षा' स्तर में सार्थक अन्तर नहीं है।

2. उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् व केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों की 'व्यवसायिक आकांक्षा' स्तर में सार्थक अन्तर नही है।

3. उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् व केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों के 'समायोजन' के मध्य सार्थक अन्तर नहीं है।

3.1. उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् व केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों के 'गृह समायोजन' के मध्य सार्थक अन्तर नही है।

3.2. उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् व केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों के 'समाजिक समायोजन' के मध्य सार्थक अन्तर नहीं है।

3.3. उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् व केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों के 'स्वास्थ्य एवम् संवेगात्मक समायोजन' के मध्य सार्थक अन्तर नही है।

3.4. उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् व केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों के 'स्कूल समायोजन' के मध्य कोई सार्थक अन्तर नही है।

4. उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् व केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों की 'शैक्षिक उपलब्धि' के मध्य सार्थक अन्तर नही है।

जनसंख्या मेरठ मण्डल के सभी जनपदों के उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त शहरी क्षेत्र के विद्यालयों में उच्चतर माध्यमिक स्तर (कक्षा–12) पर अध्ययनरत् समस्त छात्रों को प्रस्तुत शोध अध्ययन में जनसंख्या के रूप में लिया गया है।

न्यादर्श की चयन विधि : प्रस्तुत शोध अध्ययन में मल्टी स्टेज सैम्पल विधि का प्रयोग किया गया है। प्रथम स्टेज में मेरठ मण्डल के समस्त जनपदो में से चार जनपदो का लॉटरी मैथड से चयन किया गया। द्वितीय स्टेज में चारो जनपदो के समस्त उच्चतर माध्यमिक स्तर के शहरी क्षेत्र के विद्यालयों की सूची में से लाटरी मैथड से जनपदवार 6–6 विद्यालयों का चयन किया। तत्पश्चात् तृतीय स्टेज में चयनित विद्यालयों में से प्राप्त छात्रो की सूची में से टिप्टस टेबल के द्वारा छात्रो का चयन किया गया है।

न्यादर्श **का आकार**

प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् 500 छात्रों (250 छात्र उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् के विद्यालयों से एव 250 छात्र केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् के विद्यालयों से) का चयन किया गया है।

शोध विधि प्रस्तुत शोध की प्रकृति वर्णनात्मक अनुसन्धान की है। अतः वर्तमान शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

शोध अध्ययन में प्रयुक्त चर

1. स्वतन्त्र चर : (अ) उ0 प्र0 माध्यमिक शिक्षा परिषद् (ब) केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद्

2. आश्रित चर : (अ) शैक्षिक आकांक्षा स्तर (ब) व्यवसायिक आकांक्षा स्तर

(स) समायोजन (द) शैक्षिक उपलब्धि

शोध **उपकरण**

1. शैक्षिक आकांक्षा मापनी डॉ वी0पी0 शर्मा एवं डॉ0 अनुराधा गुप्ता द्वारा निर्मित एवम् प्रमापीकृत शैक्षिक आकांक्षा मापनी (EAS) का हिन्दी रूपान्तर प्रयोग किया है।

2. व्यवसायिक आकांक्षा मापनी डॉ0 जे0एस0 ग्रेवाल सेवानिवृत्त आचार्य, शिक्षा विभाग रीजनल कॉलेज ऑफ ऐजूकेशन भोपाल द्वारा निर्मित एवं प्रमापीकृत व्यवसायिक आकाँक्षा मापनी का प्रयोग किया गया है।

3. समायोजन अनुसूची (Adjustment Inventory for School/College Students) प्रो0 वी0के0 मित्तल, मेरठ कालिज, मेरठ द्वारा रचित और मानकीकृत है। इस अनुसूची को विद्यालय तथा कालिज छात्रों (केवल पुरूष छात्रों) की समायोजन क्षमता को मापने के लिये प्रयोग में लाया जा सकता है।

4. शैक्षिक उपलब्धि शैक्षिक उपलब्धि के आंकड़ो के लिए दोनो परिषद के उच्चतर माध्यमिक स्तर अर्थात कक्षा–12 के छात्रों के बोर्ड परीक्षा के वार्षिक प्राप्तांकों को लिया गया है। ये प्राप्तांक उन्हीं छात्रों के एकत्रित किए गए है। जिनको

शोध अध्ययन के न्यादर्श के रूप में चयनित किया गया है एवं जिन छात्रों पर अन्य तीन शोध उपकरण प्रशासित किए गए है। कक्षा–12 के बोर्ड के प्राप्तांकों को प्रमाणिक अंकों में परिवर्तित करने के लिए टी–स्कोर नार्मस का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का सांख्यिकीय विश्लेषण

तालिका सं0–1.0

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद व केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों के 'शैक्षिक आकांक्षा स्तर' **का तुलनात्मक विवरण**

परिषद का नाम	मध्यमान	प्रमाप विचलन	मध्यमान की प्रमाणिक त्रुटि	कुल छात्रो की संख्या	क्रान्तिक अनुपात मान	सार्थकता स्तर
उ.प्र.मा.शि. परिषद	42.40	10.35	0.65	250	3.55	सार्थक है।**
के.मा.शि. परिषद	46.28	13.78	0.87	250		
कुल योग	88.68	24.13	1.52	500		

**0.01 पर सार्थक है।

तालिका सं0–2.0

उ0 प्र0 माध्यमिक शिक्षा परिषद व केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों के 'व्यवसायिक आकांक्षा स्तर' सम्बन्धी आंकडों का तुलनात्मक विवरण

परिषद का नाम	मध्यमान	प्रमाप विचलन	मध्यमान की प्रमाणिक त्रुटि	कुल छात्रो की संख्या	क्रान्तिक अनुपात मान	सार्थकता स्तर
उ.प्र.मा.शि. परिषद	31.06	10.64	0.67	250	2.63	सार्थक है।**
के.मा.शि. परिषद	33.76	12.20	0.77	184		
कुल योग	64.82	22.84	1.44	500		

**0.01 पर सार्थक है।

तालिका सं0 3.0

उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा परिषद् व केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों के समायोजन के चारो क्षेत्रों के अनुसार व सम्पूर्ण समायोजन के अनुसार आंकाड़ों का तुलनात्मक विवरण

समायोजन के क्षेत्र	उ0प्र0 मा0 शि0 परिषद्		के0 मा0 शि0 परिषद्		क्रान्तिक अनुपात मान	सार्थकता स्तर
	मध्यमान	प्र0 विचलन	मध्यमान	प्र0 विचलन		
गृह समायोजन	48.25	6.78	49.27	7.81	1.57	.05 सार्थक नही
सामाजिक समायोजन	49.50	5.58	51.34	6.25	3.47	.01 सार्थक
स्वास्थ्य एवं संवेगात्मक	46.05	7.05	48.55	7.85	3.75	.01 सार्थक
स्कूल समायोजन	46.75	6.89	47.94	7.51	1.84	.05 सार्थक नही
सम्पूर्ण समायोजन	190.55	26.30	197.10	29.42	2.62	.01 सार्थक

तालिका सं0–4.0

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद व केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों की 'शैक्षिक उपलब्धि' का तुलनात्मक का विवरण

परिषद का नाम	मध्यमान	प्रमाप विचलन	मध्यमान की प्रमाणिक त्रुटि	कुल छात्रो की संख्या	टी का गणनात्मक मूल्य	सार्थकता स्तर
उ.प्र.मा.शि. परिषद	237.27	70.16	4.437	250	3.85	** सार्थक
के.मा.शि. परिषद	263.16	79.58	5.033	250		
कुल योग	583.31	149.74	9.470	500		

**0.01 पर सार्थक है।

शोध निष्कर्ष

1. उच्चतर माध्यमिक स्तर के केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के छात्रों की ''शैक्षिक आकांक्षा'' स्तर, उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् के छात्रों से अधिक हैं।

2. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों की ''व्यवसायिक आकांक्षा'' स्तर, उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के छात्रों से अधिक है।

3.0 उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् एवम् केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रो के सम्पूर्ण समायोजन में सार्थक अन्तर है। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् के छात्रो की समायोजन क्षमता उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् के छात्रो से सापेक्षतः अधिक है।

3.1 उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद एवम् केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् के छात्रों के मध्य 'गृह समायोजन' में सार्थक अन्तर नहीं है।

3.2 केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् के छात्रों की 'सामाजिक समायोजन' क्षमता उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् के छात्रों से अधिक है।

3.3. उत्तर प्रेदश माध्यमिक परिषद् एवम् केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों के 'स्वास्थ्य एवम् संवेगात्मक समायोजन' क्षमता में सार्थक अन्तर है।

3.4 केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् व उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों के 'स्कूल समायोजन' के मध्य सार्थक अन्तर नहीं है।

4. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद के उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों की 'शैक्षिक उपलब्धि' उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के छात्रों की 'शैक्षिक उपलब्धि' से अधिक है। दोनों परिषद् के छात्रो की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर है।

शैक्षिक निहितार्थ (i) शोधार्थियों के लिए (ii) बोर्ड या परिषद् के अधिकारियों के लिए

(iii) शिक्षा अधिकारियों व प्रशासको के लिए (iv) प्रधानाचार्यों के लिए

(v) अभिभावकों के लिए (vi) विद्यार्थियों के लिये (vii) परामर्शदाताओं के लिये

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची (Bibliography)

- **Buch, M.B. (Ed.) (1979).** Second Survey of Research in Eduaction Baroda; CASE.
- **Best, J.W. (1983)**. Research in Education, Fourth Edition, New Delhi: prentice-Hall of India

- **Buch, M.B. (Ed.) (1983).** Third Survey of Research in Eduaction NCERT New Delhi.
- **Buch, M.B. (Ed.) (1991).** Fourth Survey of Research in Eduaction NCERT New Delhi.
- शर्मा, **आर०ए० (2001),** शिक्षा अनुसंधान, लायल बुक डिपो, मेरठ।
- **एजुट्रैक्स, वोल्यूम–4, अंक–7, मार्च 2005** मन्थली स्केनर ऑफ ट्रेंडस् इन एजुकेशन, नीलकमल पब्लिकेशन्स, कोठी, हैदराबाद।
- **एजुट्रक्स, वोल्यूम–6, अंक –10, जून 2006**,–तदैव
- **कम्पबैल, डी०पी० (1971),** हैण्डबुक फॉर दी स्ट्रांग वोकेशनल इन्ट्रेस्ट ब्लैंक स्टेनफोर्ड, सी०ए०: स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस
- **कपिल, एच०के० (1975)** सांख्यिकी के मूल तत्व (सामाजिक विज्ञानों में) विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा–2